125 इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों को नोटिस जारी

दाखिले में खेल

- प्रदेश भर में करीब 125 कॉलेजों को कारण बताओ नोटिस, इसमें लखनऊ के दस कॉलेज
- शुल्क प्रतिपूर्ति व छात्रवृति हड़पने का खेल, कुछ कॉलेजों में 100 से 95 प्रतिशत विद्यार्थी गायब

जासं, लखनऊ : यूपी में इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में एमबीए में दाखिले के नाम पर बड़ा खेल किया गया है। कुछ बीटेक कोर्सेज चलाने वाले कॉलेजों ने भी गड़बड़ी की है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने जब दाखिले और प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं की उपस्थिति के ब्योरे का मिलान किया तो चौकाने वाले आंकड़े सामने आए। कई कॉलेजों में तो 100 से 95 प्रतिशत तक विद्यार्थी गायब मिले। समाजकल्याण विभाग द्वारा जारी होने वाली शुल्क प्रतिपूर्ति व छात्रवृत्ति को हड़पने के लिए यह पूरा खेल किए जाने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल एकेटीयू ने सभी कॉलेजों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है। कुल 125 कॉलेजों को नोटिस जारी हुए है उसमें से दस कॉलेज लखनऊ के भी हैं।

एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने बताया कि गड़बड़ी की शिकायत सामने आने के बाद इसकी उच्च स्तरीय जांच करवाई गई और उसके बाद अब नोटिस जारी कर दिया गया है। इन कॉलेजों का जवाब मिलने के बाद इन पर आगे की कार्रवाई होगी। उदाहरण के तौर पर बागपत के आर्यभट्ट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में 46 विद्यार्थियों ने एमबीए कोर्स में दाखिला लिया और सभी अनुपस्थित चल रहे हैं। वहीं बागपत के ही इंद्रदेव इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी में एमबीए कोर्स में 54 में से 52 विद्यार्थी परीक्षा में अनुपस्थित हैं। पूरे प्रदेश में एमबीए कोर्स चलाने वाले 36 ऐसे मैनेजमेंट कॉलेज जहां पर 100 प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक विद्यार्थी गायब हैं। वहीं 14 एमबीए कॉलेज ऐसे हैं जहां पर 49.56 से लेकर 40 प्रतिशत तक, 17 एमबीए कॉलेज ऐसे हैं जहां पर 30 प्रतिशत से लेकर 30 प्रतिशत और 30 एमबीए कॉलेज ऐसे हैं जहां पर 29 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक विद्यार्थी अनुपस्थित चल रहे हैं।

लखनऊ के इन कॉलेजों को नोटिस : रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट लखनऊ, बासुदेव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी लखनऊ, गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट लखनऊ, सिटी कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी लखनऊ, एसएस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट लखनऊ, आरआर इंस्टीट्यूट ऑफ मार्डन टेक्नोलॉजी लखनऊ, नोबल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट लखनऊ, एसआरएम बिजनेस स्कूल लखनऊ, इंस्टीट्यूट ऑफ एनवॉयरमेंट एंड मैनेजमेंट लखनऊ, मोतीलाल रस्तोगी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट लखनऊ, यशराज इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट लखनऊ।

एकेटीयू में पढ़िए इंटीग्रेटेड एमटेक-पीएचडी कोर्स

- रिवर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में चलेगा बाढ़ नियंत्रण का कोस

जासं, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में इंटीग्रेटेड एमटेक-पीएचडी कोर्स शुरू किया जाएगा। एकेटीयू में खुलने वाले इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडी सेंटर में इसे चलाया जाएगा। यही नहीं इसके अलावा एमटेक व पीएचडी के अलग-अलग कोर्स भी चलाए जाएंगे। वहीं एकेटीयू में बनने वाले रिवर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में विद्यार्थी बाढ़ नियंत्रण पर एमटेक की पढ़ाई कर सकेंगे। यह अनूठा इंस्टीट्यूट सिंचाई विभाग के सहयोग से चलाया जाएगा। एकेटीयू ने इन दोनों ही इंस्टीट्यूट को शुरू करने के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) भी तैयार कर ली है। अब इसे शासन को अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। एकेटीयू के मीडिया इंचार्ज आशीष मिश्रा ने बताया कि इंटीग्रेटेड एमटेक-पीएचडी कोर्स में विद्यार्थी एमटेक में दाखिला लेगा और आगे उसी के साथ पीएचडी भी करेगा। यही नहीं यहां पर एमटेक व पीएचडी के अन्य कोर्स भी चलाए जाएंगे। इसमें एमटेक इंफार्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी एंड साइबर सिक्योरिटी, एमटेक इंस्ट्रूमेंटेशन एंड ऑटोमेशन के कोर्स चलाए जाएंगे। एकेटीयू ने इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज के लिए 120 शिक्षकों के पद भी सृजित किए हैं। उसने डीपीआर तैयार कर ली है। वहीं यूपी में खुलने वाले पहले रिवर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट का भी खाका तैयार कर लिया गया है। इसमें सिंचाई विभाग की मदद से बाढ़ नियंत्रण आदि के कोर्स चलाए जाएंगे। इसमें स्नातक व परास्नातक स्तरीय कोर्स चलाए जाएंगे। एकेटीयू के जानकीपुरम में निर्माणाधीन परिसर में इन दोनों इंस्टीट्यूट के लिए भी बिल्डिंग डिजाइन की गई हैं। राज्य सरकार की मदद एकेटीयू को मिली तो यहां पर विद्यार्थियों को एक से बढ़कर एक एडवांस कोर्स पढ़ने को मिलेंगे।